Talking Points for IFS Association Programe

(दिनांक 23 जनवरी, 2023)

1. उत्तराखण्ड में 70% से अधिक वन हैं। हमारे पास अमूल्य वन सम्पदा का भण्डार है, जो एक वरदान के रूप में है। **अमूल्य वन सम्पदा** को प्रदेश की समृद्धि के लिए इस्तेमाल किया जाए। वन Products को **Economic, Financial Activities** के साथ Club करें।

2. IFS अधिकारी जंगलों के Custodian हैं, लेकिन उसके साथ–साथ वह एक Inclusive Progressive Developing Modern State का अभिन्न अंग भी हैं। उन्हें Balance बनाना होगा।

3. IFS अधिकारियों को **Forest fire की चुनौती** के स्थायी समाधान खोजने के लिए नवीन तरीकों जैसे AI, Drone का उपयोग करना होगा। वन विभाग स्थानीय लोगों का विश्वास जीते और Intelligence और अपने संचार तंत्र को मजबूत करने पर फोकस करें।

4. Man wildlife Conflict को राकने के उपाय करें और इसके स्थायी समाधान खोजें।

5. उत्तराखण्ड में जिम कार्बेट और राजाजी नेशनल पार्क जैसे प्रसिद्व टाइगर रिजर्व हैं। इनके माध्यम से यहां पर्यटन की अनेक संभावनाएं है। वनों एवं वन संपदा के माध्यम से प्रदेश की आर्थिक समृद्धि लाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनायी जाय। **Eco tourism** को बढ़ाने के प्रयास भी किए जाएं।

6. उत्तराखण्ड में Aromatic Plants, के साथ–साथ यहां पशु–पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां हैं, यह जैव विविधता Tourism के लिए अच्छे संकेत इनसे पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है।इस पर विचार किया जाय।

7. उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में **जंगली जानवर सुअर, बंदरों द्वारा** ग्रामीण क्षेत्रों की फसलों को बर्बाद किया जाता है। जंगली जानवरों के भय से ग्रामीण फसल नहीं बो रहे हैं **जिससे पलायन भी** हो रहा है। इसके लिए भी समाधान ढूंढें।

8. वन विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करें इसके साथ–साथ वनों से जुड़ी **जनजातियों के रोजगार** व उनके Skill development पर भी ध्यान दिया जाय।